Drishti IAS

IAS मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2024

इतिहास

(वैकल्पिक विषय)

दृष्टि के छात्रों के लिये विशेष छूट

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम में

आरंभ 17 दिसंबर, 2023

कुल 16 टेस्ट्स

- 8 सेक्शनल
- 8 संपूर्ण पाठ्यक्रम

ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में

शुल्क : ₹16,000/-

मुखर्जी नगर
वर्धमान कॉम्पलेक्स, नेहरू विहार, निकट मुखर्जी नगर, दिल्ली

करोल बाग
21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

प्रयागराज
13/15, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज

जयपुर
प्लॉट नंबर-45 व 45-ए हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

लखनऊ
47/ सीसी, बर्लिगटन मॉल, विधानसभा मार्ग, लालबाग, लखनऊ, यू.पी

Contacts: 8010440440, 87501 87501 E-mail : testseries@groupdrishti.in Website : www.drishtiias.com

विशेषताएँ

- प्रश्न की भाषा-शैली एवं प्रकृति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप तथा गहरी समझ और जानकारी पर आधारित।
- प्रश्न में पूछे गए टॉपिक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य परीक्षा में सहायक होंगे।
- अंर्तविषयात्मक एवं बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ मॉडल उत्तरों का सरल एवं प्रभावी प्रस्तुतिकरण।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्तर लेखन में अपेक्षित चित्रों, उदाहरणों, ग्राफिक निरूपण, पाई चार्ट आदि के माध्यम से बेहतर उत्तर तैयार किये जाने पर विशेष ध्यान।
- मॉडल उत्तर लेखन के दौरान केवल स्तरीय मानक पुस्तकों तथा स्रोतों का उपयोग।
- समुचित तैयारी के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य आवश्यक अंतराल।
- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित शब्द सीमा में मॉडल उत्तरों का निर्माण।

टेस्ट कोड	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 **OPT-H-2401**	**17 दिसंबर, 2023** **(रविवार)**	पुरातात्विक स्रोत, प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास, सिंधु घाटी सभ्यता, महापाषाण-युगीन संस्कृतियाँ; आर्य एवं वैदिक काल, महाजनपद काल, मौर्य साम्राज्य, मौर्योत्तर काल
टेस्ट-2 **OPT-H-2402**	**24 दिसंबर, 2023** **(रविवार)**	प्रारंभिक मध्यकालीन भारत (750 ई. – 1200 ई.), भारत की सांस्कृतिक परंपरा (750 ई. – 1200 ई.), दिल्ली सल्तनत (13वीं एवं 14वीं शताब्दी), 13वीं एवं 14वीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था
टेस्ट-3 **OPT-H-2403**	**31 दिसंबर, 2023** **(रविवार)**	भारत में यूरोपियनों का प्रवेश, भारत में ब्रिटिश प्रसार, ब्रिटिश राज्य की प्रारंभिक संरचना, ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास; बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन, ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया, भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक, गांधी का उदय
टेस्ट-4 **OPT-H-2404**	**7 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	प्रबोधन एवं आधुनिक विचार, आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत, औद्योगिकीकरण, राष्ट्र राज्य प्रणाली; साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद, क्रांति एवं प्रतिक्रांति, प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का विश्व
टेस्ट-5 **OPT-H-2405**	**14 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- राजनीतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था, 15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- समाज एवं संस्कृति, अकबर; 17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य, 16वीं एवं 17वीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज, मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति, 18वीं शताब्दी
टेस्ट-6 **OPT-H-2406**	**21 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दक्कन एवं दक्षिण भारत, गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश, गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य, प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य
टेस्ट-7 **OPT-H-2407**	**28 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	ब्रिटिश भारत में संवैधानिक घटनाक्रम, राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कड़ियाँ, अलगाववाद की राजनीति एवं सांप्रदायिकता, स्वतंत्रता के पश्चात् भारत
टेस्ट-8 **OPT-H-2408**	**4 फरवरी, 2024** **(रविवार)**	औपनिवेशिक शासन से मुक्ति, वि-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास, यूरोप का एकीकरण, सोवियत रूस का विघटन एवं एकध्रुवीय विश्व का उदय

**पाठ्यक्रम के विस्तृत विवरण के लिये, कृपया बाद के पृष्ठों को देखें।*

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

टेस्ट कोड	दिनांक	पाठ्यक्रम
टेस्ट-9 OPT-H-2409	30 जून, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-10 OPT-H-2410	07 जुलाई, 2024 (रविवार)	द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-11 OPT-H-2411	14 जुलाई, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-12 OPT-H-2412	21 जुलाई, 2024 (रविवार)	द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-13 OPT-H-2413	04 अगस्त, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-14 OPT-H-2414		द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-15 OPT-H-2415	18 अगस्त, 2024 (रविवार)	प्रथम प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम
टेस्ट-16 OPT-H-2416		द्वितीय प्रश्नपत्र-संपूर्ण पाठ्यक्रम

मॉड्यूल शेड्यूल

टेस्ट कोड	दिनांक व दिन	विषय
टेस्ट-1 OPT-H-2401	17 दिसंबर, 2023 (रविवार)	**पुरातात्विक स्रोत** ● पुरातात्विक स्रोत: अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखविद्या, मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्य स्रोत। स्वदेशी: प्राथमिक व द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य। विदेशी वर्णन: यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक **प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास** ● भौगोलिक कारक, शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)। **सिंधु घाटी सभ्यता** ● उद्गम, काल, विस्तार, विशेषताएँ, पतन, अस्तित्व एवं महत्त्व, कला एवं स्थापत्य। **महापाषाण-युगीन संस्कृतियाँ** ● सिंधु से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियाँ, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लौह उद्योग। **आर्य एवं वैदिक काल** ● भारत में आर्यों का प्रसार। वैदिक काल: धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण; राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; वैदिक युग का महत्त्व; राजतंत्र एवं वर्ण व्यवस्था का क्रम विकास। **महाजनपद काल** ● महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर केंद्रों का उद्भव; व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सिक्का ढलाई); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नंदों का उद्भव। ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव। **मौर्य साम्राज्य** ● मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; धर्मादेश; राज्य व्यवस्था; प्रशासन; अर्थव्यवस्था; कला, स्थापत्य एवं मूर्तिशिल्प; विदेशी संपर्क; धर्म; धर्म का प्रसार; साहित्य। साम्राज्य का विघटन; शुंग एवं कण्व। **मौर्योत्तर काल** ● बाहरी विश्व से संपर्क; नगर-केंद्रों का विकास, अर्थव्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएँ, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

टेस्ट-2 OPT-H-2402	24 दिसंबर, 2023 (रविवार)	**प्रारंभिक मध्यकालीन भारत (750 ई.-1200 ई.)** ● राज्य व्यवस्था: उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उद्गम एवं उदय। ● चोल वंश: ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज ● भारतीय सामंतशाही ● कृषि अर्थव्यवस्था एवं नगरीय बस्तियाँ ● व्यापार एवं वाणिज्य ● समाज: ब्राह्मण की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था ● स्त्री की स्थिति ● भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी **भारत की सांस्कृतिक परंपरा (750 ई.-1200 ई.)** ● दर्शन: शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं विशिष्टाद्वैत, मध्व एवं ब्रह्म-मीमांसा। ● धर्म: धर्म के स्वरूप एवं विशेषताएँ, तमिल भक्ति, संप्रदाय, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत। ● साहित्य: संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नवविकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की राजतरंगिणी, अलबरूनी का किताब-उल-हिंद। ● कला एवं स्थापत्य: मंदिर स्थापत्य, मूर्तिशिल्प, चित्रकला। **दिल्ली सल्तनत (13वीं एवं 14वीं शताब्दी)** ● दिल्ली सल्तनत की स्थापना: गोरी के आक्रमण-गोरी की सफलता के पीछे के कारक। ● आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम। ● दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रारंभिक तुर्क सुल्तान। ● सुदृढ़ीकरण: इल्तुतमिश और बलबन का शासन। ● खिलजी क्रांति ● अलाउद्दीन खिलजी: विजय एवं क्षेत्र-प्रसार, कृषि एवं आर्थिक उपाय। ● मुहम्मद तुगलक: प्रमुख प्रकल्प (Project), कृषि उपाय, मुहम्मद तुगलक की अफसरशाही। ● फिरोज़ तुगलक: कृषि उपाय, सिविल इंजीनियरी एवं लोक निर्माण में उपलब्धियाँ, दिल्ली सल्तनत का पतन, विदेशी संपर्क एवं इब्न बतूता का वर्णन। **13वीं और 14वीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था** ● समाज, ग्रामीण समाज की रचना, शासी वर्ग, नगर निवासी, स्त्री, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अंतर्गत जाति एवं दास प्रथा, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन। ● संस्कृति: फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं का साहित्य, सल्तनत स्थापत्य एवं नए स्थापत्य रूप, चित्रकला, सम्मिश्र संस्कृति का विकास। ● अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, नगरीय अर्थव्यवस्था एवं कृषित्तर उत्पादन का उद्भव, व्यापार एवं वाणिज्य।

टेस्ट-3 OPT-H-2403	31 दिसंबर, 2023 (रविवार)	**भारत में यूरोपियनों का प्रवेश** ● प्रारंभिक यूरोपीय बस्तियाँ; पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेज़ी एवं फ्राँसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियाँ; आधिपत्य के लिये उनके युद्ध; कर्नाटक युद्ध; बंगाल- अंग्रेज़ों एवं बंगाल के नवाब के बीच संघर्ष; सिराज़ और अंग्रेज़; प्लासी का युद्ध; प्लासी का महत्त्व। **भारत में ब्रिटिश प्रसार** ● बंगाल- मीर जाफर एवं मीर कासिम; बक्सर का युद्ध; मैसूर, मराठा; तीन अंग्रेज़-मराठा युद्ध; पंजाब **ब्रिटिश राज्य की प्रारंभिक संरचना** ● प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना; द्वैधशासन से प्रत्यक्ष नियंत्रण तक; रेग्यूलेटिंग एक्ट (1773); पिट्स इंडिया एक्ट (1784); चार्टर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता स्वरूप; अंग्रेज़ी उपयोगितावादी और भारत। **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव** ● **ब्रिटिश भारत में भूमि**- राजस्व बंदोबस्त; स्थायी बंदोबस्त; रैयतवाड़ी बंदोबस्त; महालवाड़ी बंदोबस्त; राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव; कृषि का वाणिज्यीकरण; भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय; ग्रामीण समाज का परिक्षीणन। ● पारंपरिक व्यापार एवं वाणिज्य का विस्थापन; अनौद्योगीकरण; पारंपरिक शिल्प की अवनति; धन का अपवाह; भारत का आर्थिक रूपांतरण; टेलीग्राफ और डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचार जाल; ग्रामीण भीतरी प्रदेश में दुर्भिक्ष एवं गरीबी; यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएँ। **सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास** ● स्वदेशी शिक्षा की स्थिति; इसका विस्थापन; प्राच्यविद्-आंग्लविद् विवाद, भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रादुर्भाव; प्रेस, साहित्य एवं लोकमत का उदय; आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय; विज्ञान की प्रगति; भारत में क्रिश्चियन मिशनरी के कार्यकलाप। **बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन** ● राममोहन राय, ब्रह्म आंदोलन; देवेंद्रनाथ टैगोर; ईश्वरचंद्र विद्यासागर; युवा बंगाल आंदोलन; दयानंद सरस्वती; भारत में सती, विधवा विवाह, बाल विवाह आदि समेत सामाजिक सुधार आंदोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय पुनर्जागरण का योगदान; इस्लामी पुनरुद्धार वृत्ति- फराइज़ी एवं वहाबी आंदोलन। **ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया** ● रंगपुर ढींग (1783), कोल विद्रोह (1832), मालाबार में मोपला विद्रोह (1841-1920), संथाल हुल (1855), नील विद्रोह (1859-60), दक्कन विप्लव (1875) एवं मुंडा उल्गुलान (1899-1900) समेत 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए किसान आंदोलन और जनजातीय विप्लव; 1857 का महाविद्रोह- उद्गम, स्वरूप, असफलता के कारण, परिणाम; पश्च 1857 काल में किसान विप्लव के स्वरूप में बदलाव; 1920 और 1930 के दशकों में हुए किसान आंदोलन।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

		भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक ● संघों की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की बुनियाद; कॉन्ग्रेस के जन्म के संबंध में सेफ्टी वाल्व का पक्ष; प्रारंभिक कॉन्ग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य; प्रारंभिक कॉन्ग्रेस नेतृत्व की सामाजिक रचना; नरम दल एवं गरम दल; बंगाल का विभाजन (1905); बंगाल में स्वदेशी आंदोलन; स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक एवं राजनीतिक परिप्रेक्ष्य; भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ। **गांधी का उदय** ● गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप; गांधी का जनाकर्षण; रॉलेट सत्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद से सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय राजनीति, सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो चरण; साइमन कमीशन; नेहरू रिपोर्ट; गोलमेज़ परिषद; राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन; राष्ट्रवाद एवं श्रमिक वर्ग आंदोलन; महिला एवं भारतीय युवा तथा भारतीय राजनीति में छात्र (1885-1947); 1937 का चुनाव तथा मंत्रालयों का गठन; क्रिप्स मिशन; भारत छोड़ो आंदोलन; वेवेल योजना; कैबिनेट मिशन।
टेस्ट-4 **OPT-H-2404**	**7 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	**प्रबोधन एवं आधुनिक विचार** ● प्रबोधन के प्रमुख विचार : कांट, रूसो ● उपनिवेशों में प्रबोध - प्रसार ● समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक); मार्क्स के समाजवाद का प्रसार **आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत** ● यूरोपीय राज्य प्रणाली ● अमेरिकी क्रांति एवं संविधान ● फ्राँसीसी क्रांति एवं उसके परिणाम, 1789-1815 ● अब्राहम लिंकन के संदर्भ के साथ अमेरिकी सिविल युद्ध एवं दासता का उन्मूलन ● ब्रिटिश गणतंत्रात्मक राजनीति, 1815-1850; संसदीय सुधार, मुक्त व्यापारी, चार्टरवादी **औद्योगिकीकरण** ● अंग्रेज़ी औद्योगिक क्रांति : कारण एवं समाज पर प्रभाव। ● अन्य देशों में औद्योगीकरण: संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, रूस, जापान। ● औद्योगीकरण एवं भूमंडलीकरण। **राष्ट्र राज्य प्रणाली** ● 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय ● राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण। ● पूरे विश्व में राष्ट्रीयता के आविर्भाव के समक्ष साम्राज्यों का विघटन। **साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद** ● दक्षिण एवं दक्षिण -पूर्व एशिया ● लातीनी अमेरिका एवं दक्षिण अफ्रीका ● ऑस्ट्रेलिया ● साम्राज्यवाद एवं मुक्त व्यापार: नवसाम्राज्यवाद का उदय।

		क्रांति एवं प्रतिक्रांति ● 19वीं शताब्दी की यूरोपीय क्रांतियाँ ● 1917-1921 की रूसी क्रांति ● फासीवाद प्रतिक्रांति, इटली एवं जर्मनी ● 1949 की चीनी क्रांति **प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध** ● संपूर्ण युद्ध के रूप में प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध: समाजीय निहितार्थ ● प्रथम विश्वयुद्ध: कारण एवं परिणाम ● द्वितीय विश्वयुद्ध: कारण एवं परिणाम **द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का विश्व** ● दो शक्तियों का आविर्भाव ● तृतीय विश्व एवं गुटनिरपेक्षता का आविर्भाव ● संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं वैश्विक विवाद
टेस्ट-5 **OPT-H-2405**	**14 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	**15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- राजनीतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था** ● प्रांतीय राजवंशों का उदय: बंगाल, कश्मीर (जैनुल आबदीन), गुजरात, मालवा, बहमनी। ● विजयनगर साम्राज्य ● लोदी वंश ● मुगल साम्राज्य, पहला चरण: बाबर एवं हुमायूँ ● सूर साम्राज्य: शेरशाह का प्रशासन ● पुर्तगाली औपनिवेशिक प्रतिष्ठान **15वीं एवं प्रारंभिक 16वीं शताब्दी- समाज एवं संस्कृति** ● समाज एवं संस्कृति ● क्षेत्रीय सांस्कृतिक विशिष्टताएँ ● साहित्यिक परंपराएँ ● प्रांतीय स्थापत्य ● विजयनगर साम्राज्य का समाज, संस्कृति, साहित्य और कला। **अकबर** ● विजय एवं साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण ● जागीर एवं मनसब व्यवस्था की स्थापना ● राजपूत नीति ● धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास, सुलह-ए-कुल का सिद्धांत एवं धार्मिक नीति। ● कला एवं प्रौद्योगिकी को राजदरबारी संरक्षण। **17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य** ● जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगज़ेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियाँ ● साम्राज्य एवं ज़मींदार ● जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगज़ेब की धार्मिक नीतियाँ ● मुगल राज्य का स्वरूप ● उत्तर सत्रहवीं शताब्दी का संकट एवं विद्रोह ● अहोम साम्राज्य ● शिवाजी एवं प्रारंभिक मराठा राज्य

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

		16वीं एवं 17वीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज ● जनसंख्या, कृषि उत्पादन, शिल्प उत्पादन ● सिख समुदाय एवं खालसा पंथ का विकास ● नगर, डच, अंग्रेज़ी एवं फ्राँसीसी कंपनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणिज्य: व्यापार क्रांति। ● भारतीय व्यापारी वर्ग, बैंकिंग, बीमा एवं ऋण प्रणालियाँ ● किसानों की दशा, स्त्रियों की दशा **मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति** ● फारसी इतिहास एवं अन्य साहित्य ● हिंदी एवं अन्य धार्मिक साहित्य ● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ● मुगल स्थापत्य ● मुगल चित्रकला ● प्रांतीय स्थापत्य एवं चित्रकला ● शास्त्रीय संगीत **18वीं शताब्दी** ● मुगल साम्राज्य के पतन के कारक ● क्षेत्रीय सामंत देश: निज़ाम का दक्कन, बंगाल, अवध ● पेशवा के अधीन मराठा उत्कर्ष ● मराठा राजकोषीय एवं वित्तीय व्यवस्था ● अफगान शक्ति का उदय, पानीपत का युद्ध-1761 ● ब्रिटिश विजय की पूर्व संध्या में राजनीति, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था की स्थिति।
टेस्ट-6 **OPT-H-2406**	**21 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	**प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दक्कन एवं दक्षिण भारत में:** ● खारवेल, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भूमि-अनुदान, टंकण, व्यापारिक श्रेणियाँ एवं नगर केंद्र; बौद्ध केंद्र, संगम साहित्य एवं संस्कृति, कला एवं स्थापत्य। **गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश** ● राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक दशाएँ, गुप्तकालीन टंकण, भूमि अनुदान, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतशाही, जाति प्रथा, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएँ, नालंदा, विक्रमशिला एवं वल्लभी, साहित्य, विज्ञान, कला एवं स्थापत्य। **गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य** ● कदंब वंश, पल्लव वंश, बादामी का चालुक्य वंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, व्यापारिक श्रेणियाँ, साहित्य; वैष्णव एवं शैव धर्मों का विकास। तमिल भक्ति आंदोलन, शंकराचार्य; वेदांत, मंदिर संस्थाएँ एवं मंदिर स्थापत्य; पाल वंश, सेन वंश, राष्ट्रकूट वंश, परमार वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; सांस्कृतिक पक्ष। सिंध के अरब विजेता; अलबरूनी, कल्याणी का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिर एवं मठ संस्थाएँ, अग्रहार वंश, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थव्यवस्था एवं समाज। **प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य** ● भाषाएँ एवं मूलग्रंथ, कला एवं स्थापत्य के क्रम विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शाखाएँ, विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में विचार।

टेस्ट-7 **OPT-H-2407**	**28 जनवरी, 2024** **(रविवार)**	**ब्रिटिश भारत में संवैधानिक घटनाक्रम** ● भारत में 1858 और 1935 के बीच सांविधानिक घटनाक्रम। **राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कड़ियाँ** ● क्रांतिकारी; बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, यू.पी., मद्रास प्रदेश, भारत से बाहर, वाम पक्ष; कॉन्ग्रेस के अंदर का वाम पक्ष : जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस, कॉन्ग्रेस समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामदल। **अलगाववाद की राजनीति एवं सांप्रदायिकता** ● मुस्लिम लीग; हिंदू महासभा; सांप्रदायिकता एवं विभाजन की राजनीति; सत्ता का हस्तांतरण; स्वतंत्रता। **स्वतंत्रता के पश्चात् भारत** ● नेहरू की विदेश नीति; भारत और उसके पड़ोसी (1947-1964); राज्यों का भाषावाद पुनर्गठन (1935-1947); क्षेत्रीयतावाद एवं क्षेत्रीय असमानता; भारतीय रियासतों का एकीकरण; निर्वाचन की राजनीति में रियासतों के नरेश (प्रिंस); राष्ट्रीय भाषा का प्रश्न। ● उत्तर-औपनिवेशिक निर्वाचन- राजनीति में पिछड़ी जातियाँ एवं जनजातियाँ; दलित आंदोलन। ● भूमि सुधार; योजना एवं ग्रामीण पुनर्रचना की राजनीति; उत्तर औपनिवेशिक भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण नीति; विज्ञान की तरक्की।
टेस्ट-8 **OPT-H-2408**	**4 फरवरी, 2024** **(रविवार)**	**औपनिवेशिक शासन से मुक्ति** ● लातीनी अमेरिका - बोलीवर ● अरब विश्व - मिस्र ● अफ्रीका - रंगभेद से गणतंत्र तक ● दक्षिण-पूर्व एशिया - वियतनाम **वि-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास** ● विकास के बाधक कारक : लातीनी अमेरिका, अफ्रीका। **यूरोप का एकीकरण** ● युद्धोत्तर स्थापनाएँ NATO एवं यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) ● यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) का सुदृढ़ीकरण एवं प्रसार ● यूरोपीय संघ **सोवियत रूस का विघटन एवं एकध्रुवीय विश्व का उदय** ● सोवियत साम्यवाद एवं सोवियत यूनियन को निपात तक पहुँचाने वाले कारक, 1985-1991 ● पूर्वी यूरोप में राजनीतिक परिवर्तन 1989-2001 ● शीतयुद्ध का अंत एवं अकेली महाशक्ति के रूप में US का उत्कर्ष।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

टेस्ट-9 OPT-H-2409	30 जून, 2024 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम-प्रथम प्रश्नपत्र
टेस्ट-10 OPT-H-2410	07 जुलाई, 2024 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम-द्वितीय प्रश्नपत्र
टेस्ट-11 OPT-H-2411	14 जुलाई, 2024 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम-प्रथम प्रश्नपत्र
टेस्ट-12 OPT-H-2412	21 जुलाई, 2024 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम-द्वितीय प्रश्नपत्र
टेस्ट-13 OPT-H-2413	04 अगस्त, 2024 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम-प्रथम प्रश्नपत्र
टेस्ट-14 OPT-H-2414		संपूर्ण पाठ्यक्रम-द्वितीय प्रश्नपत्र
टेस्ट-15 OPT-H-2415	18 अगस्त, 2024 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम-प्रथम प्रश्नपत्र
टेस्ट-16 OPT-H-2416		संपूर्ण पाठ्यक्रम-द्वितीय प्रश्नपत्र

यू.पी.एस.सी. (2023) तथा दृष्टि इतिहास (वैकल्पिक विषय) टेस्ट सीरीज़ तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न पत्र-1

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
2305 2305 2305 2311	6(c) 1(b) 3(a) 6(a)	● अकबर की राजपूत नीति ने न केवल राजपूतों और मुगलों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को हल किया, बल्कि अकबर को अपने साम्राज्य को मज़बूत करने में भी मदद की। परीक्षण कीजिये। ● सुलह-ए-कुल की नीति अकबर की सामाजिक परिपक्वता की उपज थी। परीक्षण कीजिये। ● दीन-ए-इलाही अकबर के राष्ट्रीय आदर्शवाद की सर्वोच्च अभिव्यक्ति थी। चर्चा कीजिये। ● अकबर की विदेश नीति पर चर्चा कीजिये।	8(c)	● मुगल वास्तुकला की प्रकृति समन्वयवादी थी। टिप्पणी कीजिए।	15
2301	4(b)	● हड़प्पा सभ्यता में पाए जाने वाले धार्मिक तत्त्वों का विवरण दीजिये।	2(b)	● सिंधु-सरस्वती सांस्कृतिक क्षेत्र में एकरूपता और विविधता दोनों ही प्रदर्शित होती है। विवेचना कीजिए।	15
2311	3(a)	● वैदिक साहित्य के आलोक में उत्तर भारतीय समाज के विकास का विवरण दीजिये।	2(c)	● भारतीय इतिहास में आर्यों की समस्या को निर्धारित करने में भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन, पुरातात्विक स्रोत और वृहद् वैदिक साहित्य कहाँ तक सहायक हैं? विवेचना कीजिए।	15
2309	4(c)	● "संगम साहित्य लोगों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन के आंतरिक और बाह्य दोनों पहलुओं का आविर्भाव था।" टिप्पणी कीजिये।	3(a)	● दक्षिण भारत के प्राचीन इतिहास की सामाजिक और सांस्कृतिक परम्पराओं का ज्ञान कराने में संगम साहित्य कहाँ तक सहायक है?	20
2301 2301	7(c) 8(c)	● अर्थशास्त्र के आलोक में मौर्य प्रशासन की प्रकृति की चर्चा कीजिये। ● अशोक के धम्म ने मौर्य साम्राज्य की स्थिरता को व्यापक रूप से प्रभावित किया। परीक्षण कीजिये।	3(b)	● मौर्य युग में स्थापित साम्राज्यवादी विचारधारा की रूपरेखा का विश्लेषण कीजिए।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

2302 **2305** **2305**	**4(a)** **1(c)** **4(a)**	• स्थानीय साहित्य को लोकप्रिय बनाते हुए, भक्ति आंदोलन ने संस्कृत के अभिजात्यवाद पर चोट की। विश्लेषण कीजिये। • कबीर और नानक ने निर्गुण भक्ति को लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। चर्चा कीजिये। • भक्ति संतों ने समकालीन उत्तर भारतीय समाज को किस हद तक और किस तरह से प्रभावित किया?	4(a)	• भक्ति आंदोलन के सिद्धांतों, प्रसार और प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।	20
2311	**5(a)**	• चोल मंदिरों की प्रमुख विशेषताओं को उल्लिखित कीजिये।	4(b)	• दक्षिण भारत के आरंभिक मंदिर स्थापत्य शैली की तुलना में चोलों का मंदिर-निर्माण किस हद तक और भी अधिक परिष्कृत और भव्य दिखाई देता है?	15
2306	**4(c)**	• प्रारंभिक भारत में तंत्रवाद के उद्भव और विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।	4(c)	• क्या यह कहना उचित है कि भारत में धार्मिक मतों के विस्तार की दृष्टि से गुप्तोत्तर काल महत्त्वपूर्ण था?	15
2302 **2306**	**1(b)** **8(c)**	• प्रारंभिक मध्यकालीन दक्षिण भारत में नगरीय क्षरण के लिये भारतीय साहित्यिक साक्ष्य मज़बूत नहीं हैं। टिप्पणी कीजिये। • उन कारणों की पहचान करें जिनके कारण प्राचीन भारत में सामंतवाद का उदय हुआ। भारत की सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था पर सामंतवाद के प्रभावों का विश्लेषण कीजिये।	5(a)	• भारतीय सामंतवाद के विभिन्न समर्थक तत्त्वों की विवेचना कीजिए।	10
2311 **2306**	**7(a)** **6(b)**	• भारत में इस्लाम के प्रसार में सूफी लोक साहित्य की भूमिका पर चर्चा कीजिये। • आचार्यों ने भक्ति के वैचारिक आधार के विकास में किस प्रकार योगदान दिया?	5(c)	• इतिहास के प्रमुख साक्ष्य के रूप में सूफी साहित्य के महत्त्व का आकलन कीजिए।	10
2302 **2309**	**1(e)** **8(a)**	• अलाउद्दीन की बाज़ार नियमन नीति की संक्षेप में विवेचना कीजिये। • समकालीन अर्थव्यवस्था और समाज पर अलाउद्दीन खिलजी के बाज़ार सुधार के प्रभाव का आकलन कीजिये।	5(e)	• अलाउद्दीन खिलजी की कृषि नीति का उद्देश्य मध्यस्थ शक्तियों की सत्ता को नियंत्रित करना था। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसके द्वारा अपनाए गए उपायों का परीक्षण कीजिए।	10
2315 **2302**	**5(d)** **4(c)**	• बलबन की 'रक्त और लौह' नीति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। • बलबन का राजत्व सिद्धांत अलाउद्दीन खिलजी से भिन्न था। विवेचना कीजिये।	6(b)	• बलबन ने दिल्ली सल्तनत के लिए 'विस्तारित करने' के स्थान पर 'समेकित करने' की नीति क्यों चुनी थी?	15

2306 2315	7(b) 5(c)	• गुप्त काल के दौरान भूमि अनुदान से संबंधित वैचारिक मतभेदों की चर्चा कीजिये। • जहाँगीर के शासनकाल के दौरान मुगल चित्रकला के विकास का वर्णन कीजिये।	6(c)	• मुगल लघु चित्रकला में यूरोपीय चित्रकला की किन विशेषताओं का समावेश हुआ था?	15
2315	8(a)	• मराठों की विस्तारवादी नीति का वर्णन कीजिये।	7(a)	• मुगल साम्राज्य की अखण्डता के लिए मराठा एक महत्त्वपूर्ण खतरे की तरह खड़े थे। विवेचना कीजिए।	20
2316	1(d)	• "हैदर का जन्म एक साम्राज्य बनाने के लिये हुआ था, टीपू का जन्म एक साम्राज्य को खोने के लिये हुआ था।" विश्लेषण कीजिये।	7(b)	• 'हैदर अली साम्राज्य का निर्माण करने के लिए पैदा हुआ था और टीपू सुल्तान उसे खोने के लिए।' टिप्पणी कीजिए।	15
2305	5(d)	• मुगल वास्तुकला ने मुगलों की भव्यता के साथ-साथ इनके पतन को भी देखा। चर्चा कीजिये।	8(a)	• मुगल वास्तुकला की प्रकृति समन्वयवादी थी। टिप्पणी कीजिए।	20
2305	2(c)	• 18वीं शताब्दी अराजकता और पतन की शताब्दी थी। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	8(b)	• अठारहवीं शताब्दी में भारत की अर्थव्यवस्था मंद अर्थव्यवस्था नहीं थी। विवेचना कीजिए।	15

प्रश्न पत्र-2

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
2311 2010	8(b) 2(a)	• विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। • "भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान होने वाला प्रथम अफगान युद्ध इतिहास में की गई सबसे बड़ी भूल थी।"	1(a)	• "उपनिवेशवाद का व्यापारीकरण पर अपना ही एक विकृत तर्क था, क्योंकि विश्लेषण करने पर यह ज्ञात होता है कि व्यापारीकरण प्रायः एक कृत्रिम और ज़बरन प्रक्रिया रही है।"	10
2314	4(b)	• राष्ट्रवादी चरण के दौरान किसान आंदोलनों की प्रकृति का विश्लेषण कीजिये और इसकी कमियों पर प्रकाश डालिये।	1(b)	• 1857 के उपरांत, "कृषक आंदोलनों में किसान एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरते हैं।"	10
2316	3(a)	• खिलाफत और असहयोग आंदोलन के बीच गठबंधन की परिस्थितियों की व्याख्या कीजिये।	1(c)	• "भारतीय जनमानस की जागृत राजनीतिक चेतना तथा अंग्रेज़ों के असम्मानजनक और कायरतापूर्ण अपमान ने असहयोग आंदोलन को जन्म दिया।"	10
2312	4(c)	• सविनय अवज्ञा आंदोलन के उत्तरदायी कारकों का विश्लेषण कीजिये।	1(d)	• जब गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की तब उन्हें "बेसब्री से एक प्रभावी सूत्र की तलाश थी।"	10

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501

2303 **2314** **2303**	**3(a)** **4(a)** **5(a)**	• दक्षिण भारत में राजनीतिक उथल-पुथल कर्नाटक युद्धों के लिये काफी हद तक ज़िम्मेदार थी। परीक्षण कीजिये। • उन परिस्थितियों का परीक्षण कीजिये जिनके कारण तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध हुआ। • सालबाई की संधि	2(a)	• कर्नाटक युद्धों, आंग्ल-मैसूर युद्धों और आंग्ल-मराठा युद्धों ने फ्रांस को दक्षिण भारत में वर्चस्व की प्रतिद्वंद्विता से वस्तुतः बाहर कर दिया। चर्चा कीजिए।	20
2304	**4(c)**	• यूरोप के धार्मिक सुधार आंदोलन में धार्मिक-राजनीतिक कारकों के अलावा आर्थिक कारकों ने क्या भूमिका निभाई?	2(b)	• भारतीय परिषद विधेयक, 1861 को प्रस्तुत करते हुए अंग्रेज़ों का मत था कि भारत के लिए एकमात्र उपयुक्त सरकार 'घर से नियंत्रित तानाशाही थी'। टिप्पणी कीजिए।	20
2303	**6(a)**	• भारत में विऔद्योगीकरण पर हालिया साक्ष्य, दर्शाए मौजूद साक्ष्यों की तुलना में अधिक जटिल तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विश्लेषण कीजिये।	3(a)	• क्या आप सहमत हैं कि 'परंपरागत भारतीय कारीगरों के उत्पादन में गिरावट एक दुखद, परंतु अवश्यंभावी तथ्य था' ? विवेचना कीजिए।	10
2303 **2307** **2310** **2314**	**5(e)** **5(d)** **4(a)** **4(b)**	• संथाल विद्रोह ने विस्थापित और शोषित किसानों और आदिवासियों के संघर्ष को चिह्नित किया। • उपनिवेशवाद ने आदिवासियों के जंगल के साथ संबंध को बदल दिया। टिप्पणी कीजिये। • एका आंदोलन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। • राष्ट्रवादी चरण के दौरान किसान आंदोलनों की प्रकृति का विश्लेषण कीजिये और इसकी कमियों पर प्रकाश डालिये।	3(b)	• भारत में आदिवासी और कृषक विद्रोहों का ऐतिहासिक महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि इन्होंने ब्रिटिश शासन का विरोध करने की एक सशक्त और महत्त्वपूर्ण परंपरा स्थापित की' विवेचना कीजिए।	20
2303 **2303**	**3(b)** **7(b)**	• राष्ट्रवादी संघर्ष में प्रेस के प्रभाव की प्रमुख भूमिका रही थी। विश्लेषण कीजिये। • ब्रिटिश शिक्षा नीति ने भारतीय समाज में भेदभाव का समर्थन और अनुमोदन किया। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।	3(c)	• 'राजनीतिक प्रचार तथा राष्ट्रवादी विचारधारा के निर्माण और प्रसार शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु प्रेस एक प्रमुख माध्यम बना। टिप्पणी कीजिए।	10
2310 **2303**	**3(b)** **2(a)**	• 19वीं शताब्दी के दौरान भारत में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन की प्रकृति का विश्लेषण कीजिये। • राजा राममोहन राय द्वारा प्रारंभ किये गए सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों की चर्चा कीजिये।	4(a)	• सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का सर्वस्वीकृत दृष्टिकोण केवल एक 'शुद्ध दार्शनिक चिंतन नहीं था; इसने तत्कालीन राजनीतिक और सामाजिक नजरिए को अत्यधिक प्रभावित किया'। परीक्षण कीजिए।	20
2307 **2307**	**2(b)** **3(a)**	• कॉन्ग्रेस आंदोलन में वामपंथ के उदय और विकास का विवरण दीजिये। • कॉन्ग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के नेतृत्त्व की प्रकृति और कार्यक्रमों पर चर्चा कीजिये।	4(b)	• कॉग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का मन्तव्य काँग्रेस से अलग होना नहीं था, अपितु 'इसका उद्देश्य काँग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलन को समाजवादी दिशा प्रदान करना था'। विश्लेषण कीजिए।	20

2314	**5(a)**	● "अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम ने यूरोप के साथ-साथ अमेरिका को भी रूपांतरित कर दिया।"	5(a)	● "अमेरिकी स्वतंत्रता का युद्ध अंततोगत्वा 1783 में तब समाप्त हुआ जब ब्रिटेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वतंत्रता को स्वीकृति प्रदान की।"	10
2314	**5(d)**	● "ग्रेट ब्रिटेन में चार्टिस्ट आंदोलन की जड़ें आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से आर्थिक थीं।"	5(b)	● "चार्टिस्ट आंदोलन ने न केवल मध्य वर्ग की कुछ माँगों को पूरा किया, अपितु इसके प्रभावों को श्रमिक वर्ग और उपनिवेशों में भी महसूस किया गया।"	10
2304	**2(b)**	● 1848 की फ्राँसीसी क्रांति ने यूरोप के शेष हिस्सों में व्याप्त क्रांतियों की तुलना एक अनूठा बदलाव प्रस्तुत किया। विवेचना कीजिये।	5(c)	● "1848 के आंदोलनों को प्रजातंत्र और राष्ट्रवाद के विचारों से गढ़ा गया था।"	10
2316	**6(c)**	● 1800 ईस्वी से 1907 तक दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विकास को रेखांकित कीजिये।	5(d)	● "1867 से 1902 के मध्य दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्यवाद काफी हद तक पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा हीरों के खनन से प्रभावित था।"	10
2304 **2310**	**4(a)** **5(d)**	● फ्राँसीसी क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका पर चर्चा कीजिये। ● "फ्राँसीसी क्रांति (1789) ने वास्तव में अपने लक्ष्य से बहुत कम हासिल किया।"	6(a)	● दार्शनिकों और विचारकों ने फ्रांसीसी क्रांति की नींव भले ही रखी हो, परन्तु यह सामाजिक और आर्थिक कारणों से उपजी थी। व्याख्या कीजिए।	20
2304	**6(b)**	● अपनी बौद्धिक धाराओं के आधार पर पुनर्जागरण ने यूरोप को आधुनिक युग में पहुँचा दिया।	6(c)	● ज्ञानोदय मात्र वैज्ञानिक क्रांति तक सीमित नहीं था, अपितु मानवतावाद और प्रगति के विचार भी इसके अभिन्न घटक थे। परीक्षण कीजिए।	10
2316	**5(e)**	● "औद्योगिक क्रांति के विरोधाभास इसकी गतिशीलता के लिये स्वाभाविक थे।" विश्लेषण कीजिये।	7(a)	● मध्य वर्ग की विश्व दृष्टि पर औद्योगिक क्रांति का प्रभाव एडम स्मिथ, थॉमस माल्थस और जेरेमी बेन्थम के विचारों में प्रतिबिंबित होता है। टिप्पणी कीजिए।	20
2304	**1(b)**	● वे महत्त्वपूर्ण कारक कौन-से थे जो इटली के एकीकरण का कारण बने?	7(b)	● 1848 से 1870 में रोम के कब्ज़े तक इटली के एकीकरण के विभिन्न चरणों की विवेचना कीजिए।	20
2304 **2310**	**1(e)** **5(b)**	● क्या दोनों विश्व युद्धों के लिये जर्मनी को दोषी ठहराना उचित है? परीक्षण कीजिये। ● "वर्साय की संधि एक आरोपित संधि थी।"	7(c)	● वर्साय की संधि में द्वितीय विश्व युद्ध के बीज समाहित थे। परीक्षण कीजिए।	10
2305 **2304**	**8(c)** **5(d)**	● अकबर के काल में स्थापत्य कला किस प्रकार शाहजहाँकालीन स्थापत्य कला से भिन्न थी। टिप्पणी कीजिये। ● आधुनिक विश्व में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के कारणों सूचीबद्ध कीजिये?	8(a)	● "जब द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हुआ तब संयुक्त राष्ट्र संघ समय की आवश्यकता थी।" इसकी उपलब्धियों और कमियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।	20
2308 **2310** **2316**	**1(d)** **8(b)** **7(a)**	● "अरब राष्ट्रवाद और तेल- ये मध्य पूर्वी देशों के बाह्य विश्व के साथ संबंधों को जटिल बनाने वाले प्रमुख कारक थे।" टिप्पणी कीजिये। ● प्रथम विश्व युद्ध के बाद अरब राष्ट्रवाद के विकास को रूपांकित कीजिये। ● "अरब राष्ट्रवाद तैलीय साम्राज्यवाद का परिणाम है।" चर्चा कीजिये।	8(c)	● अरब राष्ट्रवाद मात्र एक सांस्कृतिक आंदोलन नहीं था, अपितु यह एक उपनिवेश विरोधी संघर्ष भी था टिप्पणी कीजिए।	10

www.drishtiIAS.com
Contact : 8010440440, 8750187501